भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1580

गुरूवार, 12 फरवरी, 2026/23 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

अत्यधिक पर्यटन का आकलन

1580 श्रीमती रंजीत रंजन:

श्री हारिस बीरान:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अत्यधिक पर्यटन का कोई आकलन किया है;

(ख) यदि हाँ, तो व्यस्ततम समय में पर्यटक भार, अवसंरचना पर दबाव और पारिस्थितिक हानि के संबंध में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार निष्कर्ष क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि कई प्रमुख पर्यटन स्थल व्यस्ततम पर्यटन मौसम के दौरान गंभीर जल संकट, अपशिष्ट संचयन, यातायात की अस्थिरता और स्थानीय असंतोष का सामना कर रहे हैं; और

(घ) देश में सतत पर्यटन के लिए राष्ट्रीय ढांचा स्थापित करने हेतु सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन का विकास और इससे संबंधित मुद्दों जैसे अत्यधिक पर्यटन, जल एवं अपशिष्ट प्रबंधन, यातायात प्रबंधन आदि का समाधान मुख्यतः संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं जैसे 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' आदि के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को संबंधित योजना दिशानिर्देशों और सरकारी निर्देशों के अनुरूप उनसे परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति पर तथा निधियों की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता आदि के अध्यधीन पर्यटन अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इन परियोजनाओं को आगे संबंधित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र की कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय यह मानता है कि स्थायी और उत्तरदायी पर्यटन की ही पर्यटन के नकारात्मक प्रभावों को कम करने और सकारात्मक प्रभावों को बढ़ाने में मुख्य भूमिका है। स्वदेश दर्शन 2.0 (स्वदेश दर्शन योजना का नया रूप) पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता और आर्थिक स्थिरता सहित सतत पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

मंत्रालय ने स्थायी पर्यटन के लिए राष्ट्रीय रणनीति जारी की है, जिसका उद्देश्य भारतीय पर्यटन क्षेत्र में स्थिरता को मुख्यधारा में लाना और प्राकृतिक और सांस्कृतिक संसाधनों को संरक्षित करते हुए अधिक लचीला, समावेशी, कार्बन-न्यूट्रल और संसाधन-कुशल पर्यटन सुनिश्चित करना है। इस पहल में प्रमुख हितधारकों में गैर-सरकारी संगठन और स्थानीय समुदाय भी शामिल हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने मिशन लाइफ के अंतर्गत पर्यटन क्षेत्र के लिए 'ट्रैवल फॉर लाइफ (टीएफएल)' नामक एक कार्यक्रम की परिकल्पना की है, जिसका उद्देश्य सतत पर्यटन के प्रति जागरूकता पैदा करना और पर्यटकों तथा पर्यटन व्यवसायियों को प्रकृति के अनुरूप स्थायी प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य स्थायी, उत्तरदायी और लचीले पर्यटन क्षेत्र का विकास करते हुए पर्यटन क्षेत्र में स्थिरता को मुख्यधारा में लाना है।

*****